कैलाश के निवासी | by Vimal Lahoti

कैलाश के निवासी नमो बार बार हूँ
आयो शरण तिहारी प्रभु तार तार तू
कैलाश के निवासी.....

बखान क्या करू तेरी राखों के ढेर का
चिमटी भरु तो है खज़ाना ये कुबेर का
हे गंगधार ओमकार मुक्तिधार तू
आयो शरण तिहारी प्रभु तार तार तू
कैलाश के निवासी.....

क्या क्या नहीं दिया हम क्या प्रमाण दे
बस आ गए त्रिलोक शम्भू तेरे दान से
ज़हर पिया जीवन दिया है उदार तू
आयो शरण तिहारी प्रभु तार तार तू
कैलाश के निवासी.....

तेरी कृपा से सांस ले रहे अणु अणु
तेरी दया बिना ना हिले एक भी तनु
कहे दास एक बार मुझको निहार तू
आयो शरण तिहारी प्रभु तार तार तू
कैलाश के निवासी.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%95%e0%a5%88%e0%a4%b2%e0%a4%be%e0%a4%b6-%e0%a4%95%e0%a5%87-%e0%a4%a8%e0%a4%bf%e0%a4%b5%e0%a4%be%e0%a4%b8%e0%a5%80-by-vimal-lahoti/